मेरा प्रिय दूरदर्शन का कार्यक्रम

दरदर्शन विज्ञान का एक अद्‌भुत आविष्कार है जिसमें घर बैठे तरह-तरह के कार्यक्रम देखे जा सकते हैं । इसमें कलाकारों की आवाज के साथ-साथ ही उनके हाव-भावों और कामों को देख सकते हैं। दूरदर्शन पर अनेक प्रकार के कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। फिल्मी गाने, फिल्में, हास्य-नाटक, पारिवारिक प्रसंग तथा धार्मिक कार्यक्रम सारे दिन चलते हैं।

आजकल दूरदर्शन पर महाभारत, श्रीकृष्ण, अकबर, लक्ष्मीबाई, जुनून, चन्द्रकांता, इम्तिहान आदि कार्यक्रम दिखाए जा रहे हैं । फिल्मों से संबंधित कार्यक्रमों की तो भरमार है। परन्तु मुझे इन कार्यक्रमों में सबसे अधिक प्रिय कार्यक्रम श्रीकृष्ण लगता है। इसका कारण यह है कि यह कार्यक्रम भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से संबंधित है। यह कार्यक्रम हर रविवार को रात को प्रसारित किया जाता है।

इसमें भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर अन्त तक के जीवन स संबंधित घटनाओं का चित्रण है। श्रीकष्ण की बाल-लीलाओं का चित्रण बड़े भव्य रूप में किया गया है। इसमें कृष्ण जन्म, पूतना वध, कालिय-दहन, माखनचोर,उनका वंशी बजाना, रासलीला करना, राधा का प्रेम आदि प्रसंग तो मन मोह लेते हैं। उनकी बाल-क्रीड़ाएँ देखकर तो अपना बचपन याद आ जाता है।

जानके द्वारा कंस का वध करना, मथुरा का राजा बनना आदि उनके साहसी तथा पराक्रमी रूप के दर्शन कराते हैं। अकेले ही जरासंध की सेना को हराने की घटना देखकर तो उनके भगवान होने का परिचय मिलता है।

समय-समय पर अपने विराट रूप के दर्शन कराकर, अपने अवतार रूप को सिद्ध करते हैं। श्रीकृष्ण द्वारा महाभारत युद्ध में धर्म और सत्य का साथ देना, अर्जुन को कर्मयोग का उपदेश देना हमें निस्वार्थ भाव से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

श्रीकृष्ण कार्यक्रम को देखने से मुझे विशेष आनंद प्राप्त होता है। इससे धर्म, दर्शन आदि का ज्ञान मिलता है। अत: यह मेरा सर्वप्रिय दूरदर्शन का कार्यक्रम है।